# HEMCHAND YADAV VISHWAVIDYALAYA, DURG (C.G.)

Website -www.durguniversity.ac.in, Email - durguniversity@gmail.com

# SCHEME OF EXAMINATION

# &

# SYLLABUS

# of

# M.A.(Sanskrit) Annual Exam

UNDER

## FACULTY OF ARTS

**Session 2023-24**

(Approved by Board of Studies)

Effective from June 2023

# पाठ्यक्रम–वार्षिक परीक्षा पद्धतिः– 2023–24

## एम.ए.पूर्व– संस्कृत

स्नातकोत्तरस्य पूर्व वर्षे निम्नलिखितानि पंच प्रश्नपत्राणि भविष्यन्ति। प्रश्नपत्रं पंच खण्डेषु (5 इकाई) विभक्तं भविष्यति। प्रत्येकस्य खण्डस्य कृते 20 अड्.काः निर्धारिताः सन्ति।

| क्रमांक | प्रश्ननत्रम् | प्रश्नपत्रस्य नाम | पूर्णांकः |
|---|---|---|---|
| 1 | प्रथमप्रश्नपत्रम् | वैदिकसाहित्यम् | 100 |
| 2 | द्वितीयप्रश्नपत्रम् | व्याकरणशास्त्रम् | 100 |
| 3 | तृतीयप्रश्नपत्रम् | भाषाविज्ञानम् | 100 |
| 4 | चतुर्थप्रश्नपत्रम् | दर्शनशास्त्रम् | 100 |
| 5 | पञ्चमप्रश्नपत्रम् | साहित्यशास्त्रम् | 100 |
| | | योगः— | 500 |

3/6/2023 3/6/23 3/6/23

Dr. Divya Deshpandey    Dr. Sushma Tiwari    Shri Jainendra Diwan

# प्रथमप्रश्नपत्रम्– वैदिकसाहित्यम्

इकाई प्रथमः – अधोलिखितानां सूक्तानाम् अध्ययनम्–

अग्निः 1.1 इन्द्रः 2.12, वरूणः–7.86, विष्णुः–1.154

पुरूषसूक्तम्–10.90 विश्वेदेवाः–1.89, शिवसंकल्पसूक्तम्–30.4.16,

सरमापणिसूक्तम्–10.108, रूद्रसूक्तम् (शुक्लयजुर्वेदस्य षोडशाऽध्यायः–16 मन्त्राः)

इकाई द्वितीयः – ऐतरेयब्राह्मणम् (हरिश्चन्द्रोपाख्यानम्)

इकाई तृतीयः – ईशावास्योपनिषद्

इकाई चतुर्थः – 1. निरूक्तम् (प्रथमोऽध्यायः)

2. निरूक्तगतानामधोलिखितानां पदानां निर्वचनम्–

आचार्यः, वीरः, ह्रदः, गोः समुद्रः, वृत्रः, आदित्यः, उषस्, मेघः, वाक्

उदकम्, नदी, अश्वः, अग्निः, जातवेदस्, वैश्वानरः, निघण्टुः।

इकाई पञ्चमः – संहिता–ब्राह्मण–आरण्यक–उपनिषदां वेदाङ्ग.गानां च संक्षिप्तपरिचयः।

अनुशंसितग्रन्थाः–

| | | |
|---|---|---|
| ऋक्सूक्तसंग्रह | – | डॉ. हरिदत्त शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ |
| ऋक्सूक्तसंग्रह | – | तारिणीश झा, प्रकाशन केन्द, लखनऊ |
| ईशावास्योपनिषद् | – | डॉ. विजय शंकर पाण्डेय, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी |
| ईशावास्योपनिषद् | – | गीताप्रेस, गोरखपुर |
| एतरेयब्राह्मणम् | – | हरिश्चन्द्रोपाख्यानम् – डॉ. उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी |
| निरूक्तम् | – | डा. उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी |
| वैदिकसाहित्यस्येतिहासः | – | डॉ. राजधर मिश्रः श्याम प्रकाशन, जयपुर |
| वैदिक साहित्य और संस्कृति | – | आचार्य बलदेव उपाध्याय, शारदा संस्थान, वाराणसी |
| वैदिक साहित्य और इतिहास | – | श्री गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर, चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी |
| वैदिक साहित्य एवं संस्कृति | – | डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणासी |

3/6/2023 3/6/23 3/6/23

Dr. Divya Deshpandey Dr. Sushma Tiwari Shri Jainendra Diwan

## द्वितीयप्रश्नपत्रम् – व्याकरणशास्त्रम्

इकाई प्रथमः – परिभाषा–संहिता, गुणः, वृद्धिः, प्रातिपदिकम्, नदी, घि, उपधा, अपृक्तम्, गति, पदम्, विभाषा, सवर्णम्, टि, प्रगृह्यम्, सर्वनामस्थानम्, निष्ठा।

इकाई द्वितीयः – कारकप्रकरणम् –वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदीतः (सम्पूर्णम्)

इकाई तृतीयः – समासप्रकरणम्– लघुसिद्धान्तकौमुदीतः (केवलसमासः तत्पुरुषसमासश्च)

इकाई चतुर्थः – कृदन्तप्रकरणम्– लघुसिद्धान्तकौमुदीतः

अध्येतव्यप्रत्ययाः– तव्यत्, तव्य, अनीयर्, यत्, ण्यत्, क्यप्, ण्वुल्, तृच्, णिनि, अच्, क्त, क्तवतु, शतृ, शानच्, तुमुन्, क्त्वा, ल्यप्, ल्युट्, इष्ठन्,

तद्धितप्रकरणम् (लघुसिद्धान्तकौमुदीतः)

अध्येतव्यप्रत्ययाः – अण्, ण्य, इञ्, ढक्, त्व, तल्, ष्यञ्, ईयसुन, इष्ठन्, तरप्, तमप्, इनि, ठन् मतुप्, इतच्।

इकाई पञ्चमः – महाभाष्यस्य पश्पशाह्निके निम्नांकिताः विषयाः–

शब्दस्य परिभाषा,

शब्दार्थसम्बन्धः,

व्याकरणाध्ययनस्य प्रयोजनानि,

व्याकरणस्य परिभाषा,

साधुशब्दानां प्रयोगस्य परिणामः,

व्याकरणस्य पद्धतिः।

**अनुशंसितग्रन्थाः–**

| | | |
|---|---|---|
| वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी | – | गोपालदत्त पाण्डेय, चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी |
| लघुसिद्धान्तकौमुदी | – | डॉ. कौशलकिशोर पाण्डेय, चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी |
| लघुसिद्धान्तकौमुदी | – | महेश सिंह कुशवाहा, चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी |
| व्याकरण महाभाष्यम् (1–5 आह्निकानि) | – | कृष्णदास अकादमी, वाराणसी |

3/6/2023 Dr. Divya Deshpandey

3/6/23 Dr. Sushma Tiwari

3/6/23 Shri Jainendra Diwan

## तृतीयप्रश्नपत्रम्– भाषाविज्ञानम्

| | |
|---|---|
| इकाई प्रथमः – | भाषायाः परिभाषा, भाषा–बोली– इत्येतयोः भेदः, |
| | भाषाणां वर्गीकरणम्– आकृतिमूलकं पारिवारिकं च। |
| इकाई द्वितीयः – | संस्कृतध्वनिदृष्ट्या मानवीयं ध्वनियन्त्रम्, |
| | ध्वनिपरिवर्तनस्य कारणानि, ध्वनिनियमः (ग्रिमः ग्रासमैनः वर्नरःच) |
| इकाई तृतीयः – | अर्थपरिवर्तनस्य दिशः कारणानि च, |
| | भारोपीयभाषापरिवारस्य संक्षिप्तपरिचयः। |
| | भारतीया आर्यभाषा– |
| | प्राचीनभारतीया आर्यभाषा (वैदिकसंस्कृतं लौकिकसंस्कृतञ्च) |
| | मध्यकालीनभारतीया आर्यभाषा (पालिः, प्राकृतम्, अपभ्रंशः) |
| | आधुनिकभारतीयानां आर्यभाषाणां परिचयः। |
| इकाई चतुर्थः – | पाणिनीयशिक्षा– |
| इकाई पञ्चमः – | धम्मपदम् (वग्गः1,2,3,4,5) |
| | कोमलचन्दजैनकृता प्राकृतप्रवेशिका पाठः–(1,2,3,14) |

**अनुशंसितग्रन्थाः–**


भाषाविज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी, चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी

पाणिनीयशिक्षा – डॉ. सत्यप्रकाश दुबे, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर

धम्मपदम् – श्री कन्छेदीलाल गुप्त, सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी

प्राकृतप्रवेशिका – कोमलचन्दजैन, तारा बुक एजेन्सी, वाराणसी

भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र–डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी


3/6/2023    3/6/23    3/6/23

Dr. Divya Deshpandey    Dr. Sushma Tiwari    Shri Jainendra Diwan

# चतुर्थप्रश्नपत्रम्— दर्शनशास्त्रम्

| | |
|---|---|
| इकाई प्रथमः — | तर्कसंग्रहः |
| इकाई द्वितीयः — | पातञ्जलयोगसूत्रम्— समाधिपादः (1—28 सूत्रपर्यन्तम्) |
| | साधनपादः (1—9 तथा 29—55 सूत्रपर्यन्तम्) |
| | विभूतिपादः (1—3) सूत्रपर्यन्तम्) |
| | भारतीयदर्शनस्य परिचयः— चार्वाक् दर्शनम्, जैनदर्शनम्, बौद्धदर्शनम् मीमांसादर्शनम्, वेदान्तदर्शनम् |
| इकाई तृतीयः — | सांख्यकारिका |
| इकाई चतुर्थः — | वेदान्तसारः |
| इकाई पञ्चमः — | उपर्युक्तग्रन्थानां समालोचनात्मकप्रश्नः। |

अनुशंसितग्रन्थाः—

| | | |
|---|---|---|
| तर्कसंग्रहः | — | श्री शाश्वतानन्द झा, चौखम्भा कृष्णदास अकादमी, वाराणसी |
| सांख्यकारिका | — | आचार्य जगन्नाथ शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी |
| वेदान्तसारः | — | डॉ. कृष्णकान्त त्रिपाठी, साहित्य भण्डार, मेरठ |
| वेदान्तसार' | — | आचार्य बदरीनाथझा शुल्क, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी |
| पातञ्जल योगसूत्रम् | — | स्वामी ओमानन्द तीर्थ, गीताप्रेस, गोरखपुर |
| भारतीय दर्शन | — | डॉ. नन्द किशोर देवराज, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान |
| भारतीय दर्शन | — | चन्द्रधर शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी |

3/6/2023 3/6/23 3/6/23

Dr. Divya Deshpandey    Dr. Sushma Tiwari    Shri Jainendra Diwan

# पंचमप्रश्नपत्रम्– साहित्यशास्त्रम्

| | | |
|---|---|---|
| इकाई प्रथमः | – | भरतमुनिकृतं नाट्यशास्त्रम् (प्रथमोऽध्यायः) |
| इकाई द्वितीयः | – | दशरूपकम् (प्रथमः द्वितीयः च प्रकाशः) |
| इकाई तृतीयः | – | भामहकृतः काव्यालङ्कारः (प्रथमः परिच्छेदः) |
| इकाई चतुर्थः | – | वामनकृता काव्यालंकारसूत्रवृत्तिः (प्रथमम् अधिकरणम्) |
| इकाई पञ्चमः | – | दण्डिकृतः काव्यादर्शः (प्रथमः प्ररिच्छेदः) |

अनुशंसितग्रथाः–

| | | |
|---|---|---|
| नाट्यशास्त्रम् (1–2 अध्यायः) | – | श्री बाबूलाल शुक्ल, चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी |
| दशरूपकम् | – | डॉ. केशवराव मुसलगॉवकर, चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी |
| काव्यालङ्.कारः | – | पं. बटुकनाथ शर्मा, चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी |
| काव्यालंकारसूत्रवृत्तिः | – | श्री हरगोविन्द शास्त्री, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी |
| काव्यादर्शः | – | आचार्य श्री रामचन्द्र मिश्रः, चौखम्भा विद्या भवन, वाराणसी |

3/6/2023   3/6/23   3/6/23

Dr. Divya Deshpandey   Dr. Sushma Tiwari   Shri Jainendra Diwan

# पाठ्यक्रम– वार्षिक परीक्षा पद्धतिः

## एम.ए. अंतिम– संस्कृत

स्नातकोत्तरस्य अंतिमवर्षे निम्नलिखितानि पञ्च प्रश्नपत्राणि भविष्यन्ति। प्रश्नपत्रं पंच खण्डेषु (5 इकाई) विभक्तं भविष्यति। प्रत्येकस्य खण्डस्य कृते 20 अङ्.काः निर्धारिताः सन्ति।

| क्रमांक | प्रश्ननत्रम् | प्रश्नपत्रस्य नाम | पूर्णांकः |
|---|---|---|---|
| 1 | प्रथमप्रश्नपत्रम् | .काव्यम् | 100 |
| 2 | द्वितीयप्रश्नपत्रम् | काव्यशास्त्रम् | 100 |
| 3 | तृतीयप्रश्नपत्रम् | साहित्यसिद्धांतः | 100 |
| 4 | चतुर्थप्रश्नपत्रम् | धर्मार्थशास्त्राणि | 100 |
| 5 | पञ्चमप्रश्नपत्रम् | भाषाकौशलम् | 100 |
| | | योग | 500 |

3/6/2023
Dr. Divya Deshpandey

3/6/23
Dr. Sushma Tiwari

3/6/23
Shri Jainendra Diwan

## षष्ठप्रश्नपत्रम् –काव्यम्

| | | |
|---|---|---|
| इकाई प्रथमः | – | मेघदूतम् – पूर्वमेघः |
| इकाई द्वितीयः | – | मेघदूतम् – उत्तरमेघः |
| इकाई तृतीयः | – | शिशुपालवधम् (प्रथमः सर्गः) |
| इकाई चतुर्थः | – | मृच्छकटिकम् |
| इकाई पञ्चमः | – | उपर्युक्तग्रन्थानां समालोचनात्मकप्रश्नः। |

अनुशंसितग्रंथाः–

| | | |
|---|---|---|
| मेघदूतम् | – | श्री बैद्यनाथ झा, कृष्णदास अकादमी, वाराणसी |
| शिशुपालवधम् (प्रथमः सर्गः) | – | श्री रामजीलाल शर्मा, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी |
| मृच्छकटिकम् | – | डॉ. जगदीशचन्द्र मिश्र,चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी |

3/6/2023 Dr. Divya Deshpandey

3/6/23 Dr. Sushma Tiwari

3/6/23 Shri Jainendra Diwan

# सप्तप्रश्नपत्रम्– काव्यशास्त्रम्

इकाई प्रथमः – काव्यप्रकाशः (उल्लासः – 1,2)

इकाई द्वितीयः – काव्यप्रकाशः (उल्लासः – 4,5)

इकाई तृतीयः – काव्यप्रकाशः (उल्लासः – 7,8)

इकाई चतुर्थः – काव्यप्रकाशात् अधोलिखितानाम् अलंकाराणां सोदाहरणं लक्षणम्– अनुप्रासः, श्लेषः, वक्रोक्तिः, उपमा, रूपकम्, उत्प्रेक्षा, समासोक्तिः अपह्नुतिः, निदर्शना, अर्थान्तरन्यास, दृष्टान्तः, विभावना, विशेषोक्तिः संकरः, संसृष्टिः ।

इकाई पञ्चमः – साहित्यदर्पणः– अधोलिखितविषयाः–

विश्वनाथकृतकाव्यलक्षणम्, अन्यलक्षणानां खण्डनञ्च ।

शब्दशक्तिः – संकेतग्रहः, अभिधा, लक्षणा, व्यंञ्जना च।

रसः (स्थायिभावसहितो रसभेदः, रूपकभेदः नाट्यस्य लक्षणम्

महाकाव्यस्य लक्षणम्।

अनुशंसितग्रंथाः–

| | | |
|---|---|---|
| काव्यप्रकाशः | – | पं. रघुनाथ चतुर्वेदी, चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी |
| साहित्यदर्पणः | – | आचार्य कृष्णमोहन शास्त्री, चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी |

3/6/2023 Dr. Divya Deshpandey

3/6/23 Dr. Sushma Tiwari

3/6/23 Shri Jainendra Diwan

# अष्टमप्रश्नपत्रम् – साहित्यसिद्धान्तः

| | | |
|---|---|---|
| **इकाई प्रथमः** | – | वक्रोक्तिजीवितम् (प्रथमोन्मेषः) |
| **इकाई द्वितीयः** | – | ध्वन्यालोकः (प्रथम उद्योतः) |
| **इकाई तृतीयः** | – | काव्यमीमांसा (अध्यायः– 1,2,3,4,5) |
| **इकाई चतुर्थः** | – | औचित्यविचारचर्चा |
| **इकाई पञ्चमः** | – | साहित्यशास्त्रीया विभिन्न सम्प्रदायाः– अलंकारसम्प्रदायः, रससम्प्रदायः, रीतिसम्प्रदायः, वक्रोक्तिसम्प्रदायः, औचित्य सम्प्रदायः ध्वनिसम्प्रदायश्च। |

अनुशंसितग्रन्थाः–

| | | |
|---|---|---|
| संस्कृत साहित्य का इतिहास | – | आचार्य बलदेव उपाध्याय |
| वक्रोक्तिजीवितम् | – | श्री राधेश्याम मिश्र, चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी |
| ध्वन्यालोकः | – | डॉ. गंगासागर राज्य, चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी |
| हिन्दीकाव्यमीमांसा | – | डॉ. गंगासागर राय, चौखम्भा विद्या भवन, वाराणसी |
| औचित्यविचारचर्चा | – | आचार्य श्री ब्रजमोहन झा, चौखम्भा विद्या भवन, वाराणसी |
| भारतीय साहित्यशास्त्र (प्रथम खण्ड) | – | आचार्य बलदेव उपाध्याय, नन्दकिशोर एण्ड सन्स, चौक वाराणसी |

3/6/2023 Dr. Divya Deshpandey

3/6/23 Dr. Sushma Tiwari

3/6/23 Shri Jainendra Diwan

## नवमप्रश्नपत्रम्– धर्मार्थशास्त्राणि

| | |
|---|---|
| इकाई प्रथमः – | रामायण– महाभारत –पुराणानां संक्षिप्त परिचयः। |
| | मार्कण्डेयपुराणम्– (अध्यायः– 79 देवीमहात्म्यम्, 80–महिषासुरसैन्यवधः, 81–महिषासुरवधश्च |
| इकाई द्वितीयः – | महाभारतम्– भगवद्गीता (अध्यायः–2,15,16) |
| इकाई तृतीयः – | मनुस्मृतिः (अध्यायः–1) |
| इकाई चतुर्थः – | कौटिल्यस्य अर्थशास्त्रम् (प्रथमतः पञ्चमोऽध्यायपर्यन्तम्) |
| इकाई पञ्चमः – | उपर्युक्तग्रन्थानां समालोचनात्मकप्रश्नः। |

अनुशंसितग्रथाः–

| | | |
|---|---|---|
| संस्कृत साहित्य का इतिहास | – | आचार्य बलदेव उपाध्याय |
| मार्कण्डेयपुराणम् | – | कन्हैयालाल मिश्र, चौखम्भा, विद्या भवन, वाराणसी |
| भगवद्गीता | – | गीताप्रेस, गोरखपुर |
| मनुस्मृतिः (1–2) | – | हरगोविन्द शास्त्री, चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी |
| मनुस्मृतिः (1–2) | – | डॉ. गजानन, मुसलगॉवकर संस्कृत संस्थान, वाराणसी |
| कौटिल्यस्य अर्थशास्त्रम् | – | वाचस्पति गैरोला, चौखम्भा, विद्या भवन, वाराणसी |

3/6/2023 Dr. Divya Deshpandey

3/6/23 Dr. Sushma Tiwari

3/6/23 Shri Jainendra Diwan

# दशमप्रश्नपत्रम्—भाषाकौशलम्

इकाई प्रथमः — संस्कृतनिबन्धः

इकाई द्वितीयः — वाद—विवादलेखनम् अनुवादकार्यञ्च

इकाई तृतीयः — समाचारलेखनम् आवेदनपत्रञ्च

इकाईचतुर्थः — वाच्यपरिवर्तनम्, शब्दानां लिङगज्ञानं पर्यायवाचिनश्च।

इकाई पञ्चमः — वाक्यशुद्धिकला, अपठितपद्यानां गद्यांशस्य वा अर्थलेखनम्।

अनुशंसितग्रथाः—

निबन्धशतकम् — डॉ. कपिलदेव द्विवेदी

निबन्धकुसुमाञ्जलिः — डॉ. जयमन्त मिश्र

अनुवादचन्द्रिका — चक्रधर नौटियाल हंस

रचनानुवादकौमुदी — डा. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

प्रौढ़रचनानुवादकौमुदी—डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

छन्दो मंजरी — डॉ. ब्रह्मानंद त्रिपाठी, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी

वृहतरन्नाकरः

गुप्तशुद्धिप्रदर्शन्— पं. अम्बिकादत्त व्यास

-------0------

Dr. Divya Deshpandey    Dr. Sushma Tiwari    Shri Jainendra Diwan